

༡༣། །རྩོམ་མཁན་པོ་ལྟ་བུ་ལྟོས་པའི་དཀར་ཆ་གསུམ་པོ་ལྟོས་པོ།

III Боть

740 цаас

TI433 - 001

५
४
३
२
१

[illegible]

[illegible]

ॐ ཕྱི་ལོ་ ༡༩༧༥ ལྷོ་ཆེས་ལ་ ལོག་སྤྱུ་རུ་དེ་བས་རྒྱ་གར་རྒྱལ་པོ་འཛུགས་པའི་རྒྱལ་པོ་རྒྱལ་པོ་ལོ། །

5

༥༥



།དགེ་སྤྱིར་གི་ཚུ་ལ་བྱིམ་ས་བསྐྱར་ཚུ་ལ་མཛད་ཅི་མ་ཉམ་ས་སྤྱི་བུ་དཔེར་བཞིན་པ་དག་ཕྱེད་བདུད་རྩི་འི་མཚན་ཡོན་ཞེས་བྱ་བ་བཞུགས་པ་ལོ། །

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

18

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

७७

॥ ८८ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

25

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

३ अक्षरानुसृत्या १४

[illegible]

[illegible]

[illegible]

70

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

82

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

● 42

Handwritten signature

[illegible]

[illegible]

[illegible]

125

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ अथ भक्त्या भक्त्या भक्त्या भक्त्या ॥

135

138

[illegible]

139

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

148

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[Signature]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

166

168

174

[illegible]

[illegible]

178

[illegible]

ॐ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ अथ श्रीसुखसागराचार्यविरचितं
 सुखसागराचार्यविरचितं सुखसागराचार्यविरचितं सुखसागराचार्यविरचितं
 सुखसागराचार्यविरचितं सुखसागराचार्यविरचितं सुखसागराचार्यविरचितं
 सुखसागराचार्यविरचितं सुखसागराचार्यविरचितं सुखसागराचार्यविरचितं
 सुखसागराचार्यविरचितं सुखसागराचार्यविरचितं सुखसागराचार्यविरचितं

182

[illegible]

184

[illegible]

187

[illegible]

188 ॥ मरुदेरेकेस'गठिग'नेमकं'मेरे'मअया॥ २२॥ प'प'स'पु'र'॥ २३॥ ॥ २४॥ ॥ २५॥ ॥ २६॥ ॥ २७॥ ॥ २८॥ ॥ २९॥ ॥ ३०॥ ॥ ३१॥ ॥ ३२॥ ॥ ३३॥ ॥ ३४॥ ॥ ३५॥ ॥ ३६॥ ॥ ३७॥ ॥ ३८॥ ॥ ३९॥ ॥ ४०॥ ॥ ४१॥ ॥ ४२॥ ॥ ४३॥ ॥ ४४॥ ॥ ४५॥ ॥ ४६॥ ॥ ४७॥ ॥ ४८॥ ॥ ४९॥ ॥ ५०॥ ॥ ५१॥ ॥ ५२॥ ॥ ५३॥ ॥ ५४॥ ॥ ५५॥ ॥ ५६॥ ॥ ५७॥ ॥ ५८॥ ॥ ५९॥ ॥ ६०॥ ॥ ६१॥ ॥ ६२॥ ॥ ६३॥ ॥ ६४॥ ॥ ६५॥ ॥ ६६॥ ॥ ६७॥ ॥ ६८॥ ॥ ६९॥ ॥ ७०॥ ॥ ७१॥ ॥ ७२॥ ॥ ७३॥ ॥ ७४॥ ॥ ७५॥ ॥ ७६॥ ॥ ७७॥ ॥ ७८॥ ॥ ७९॥ ॥ ८०॥ ॥ ८१॥ ॥ ८२॥ ॥ ८३॥ ॥ ८४॥ ॥ ८५॥ ॥ ८६॥ ॥ ८७॥ ॥ ८८॥ ॥ ८९॥ ॥ ९०॥ ॥ ९१॥ ॥ ९२॥ ॥ ९३॥ ॥ ९४॥ ॥ ९५॥ ॥ ९६॥ ॥ ९७॥ ॥ ९८॥ ॥ ९९॥ ॥ १००॥ ॥

193

[illegible]

199

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

२२१ ॥ गणेशाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 वरः कृष्णाय नमः ॥ वरः कृष्णाय नमः ॥ वरः कृष्णाय नमः ॥ वरः कृष्णाय नमः ॥ वरः कृष्णाय नमः ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

217

[illegible]

[illegible]

५॥ १॥ २॥ ३॥ ४॥ ५॥ ६॥ ७॥ ८॥ ९॥ १०॥ ११॥ १२॥ १३॥ १४॥ १५॥ १६॥ १७॥ १८॥ १९॥ २०॥ २१॥ २२॥ २३॥ २४॥ २५॥ २६॥ २७॥ २८॥ २९॥ ३०॥ ३१॥ ३२॥ ३३॥ ३४॥ ३५॥ ३६॥ ३७॥ ३८॥ ३९॥ ४०॥ ४१॥ ४२॥ ४३॥ ४४॥ ४५॥ ४६॥ ४७॥ ४८॥ ४९॥ ५०॥ ५१॥ ५२॥ ५३॥ ५४॥ ५५॥ ५६॥ ५७॥ ५८॥ ५९॥ ६०॥ ६१॥ ६२॥ ६३॥ ६४॥ ६५॥ ६६॥ ६७॥ ६८॥ ६९॥ ७०॥ ७१॥ ७२॥ ७३॥ ७४॥ ७५॥ ७६॥ ७७॥ ७८॥ ७९॥ ८०॥ ८१॥ ८२॥ ८३॥ ८४॥ ८५॥ ८६॥ ८७॥ ८८॥ ८९॥ ९०॥ ९१॥ ९२॥ ९३॥ ९४॥ ९५॥ ९६॥ ९७॥ ९८॥ ९९॥ १००॥

229

233

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

247

[illegible]

[illegible]

[illegible]

267

[illegible]

277

[illegible]

[illegible]

[illegible]

289

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

ॐ ॥ १॥ २॥ ३॥ ४॥ ५॥ ६॥ ७॥ ८॥ ९॥ १०॥ ११॥ १२॥ १३॥ १४॥ १५॥ १६॥ १७॥ १८॥ १९॥ २०॥ २१॥ २२॥ २३॥ २४॥ २५॥ २६॥ २७॥ २८॥ २९॥ ३०॥ ३१॥ ३२॥ ३३॥ ३४॥ ३५॥ ३६॥ ३७॥ ३८॥ ३९॥ ४०॥ ४१॥ ४२॥ ४३॥ ४४॥ ४५॥ ४६॥ ४७॥ ४८॥ ४९॥ ५०॥ ५१॥ ५२॥ ५३॥ ५४॥ ५५॥ ५६॥ ५७॥ ५८॥ ५९॥ ६०॥ ६१॥ ६२॥ ६३॥ ६४॥ ६५॥ ६६॥ ६७॥ ६८॥ ६९॥ ७०॥ ७१॥ ७२॥ ७३॥ ७४॥ ७५॥ ७६॥ ७७॥ ७८॥ ७९॥ ८०॥ ८१॥ ८२॥ ८३॥ ८४॥ ८५॥ ८६॥ ८७॥ ८८॥ ८९॥ ९०॥ ९१॥ ९२॥ ९३॥ ९४॥ ९५॥ ९६॥ ९७॥ ९८॥ ९९॥ १००॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

327

[illegible]

[illegible]

[illegible]

338

[illegible]

[illegible]

347

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ལྟ་བུ་ཆེན་པོ་༥༥ གཏིས་པ་ཡུལ་གཤག་མཉམ་ཆུ་ཉིན་ཉིས་བརྒྱ་པ་ནི་དགོ་སྒྲུང་ཆོས་པ་རུན་ལྟར་པོ་༥༥ གསུམ་པ་གནས་གཤུ་ཉིན་ཉིས་བརྒྱ་པ་ནི་དབྱར་ཚུལ་གཤུ་ཆུ་གནས་པ་འི་ནང་ལོ༥༥ བཞི་པ་རྩལ་གཤག་ཆོ་ཉིན་ཉིས་བརྒྱ་པ་ནི་མཐའ་
 ལི་ཞལ་རྩལ་གི་པོ་འི་ཡན་ཆད་པོ༥༥ ལྟ་བུ་ཆེན་པོ་ཉིན་ཉིས་བརྒྱ་པ་ནི་གནད་པ་མ་ཐོབ་པས་ཞལ་པ་རུན་ཚུལ་ཆད་པོ༥༥ གནད་པ་ཐོབ་ན་ཞལ་པ་ཞི་པ་རུན་ཚུལ་ཆད་ཐུག་ཉིས་རྩལ་པ་ཆུར་༥༥ རྩལ་པ་གཤག་ཆོ་ཉིན་ཉིས་བརྒྱ་པ་ཐོབ་
 ཆོས་ལྟར་ཉིན་ཉིས་ཆུར་༥༥ རྩལ་པ་ཆོ་ག་གཤག་ཆོ་ཉིན་ཉིས་བརྒྱ་པ་ལྟར་སྒྲུལ་པ་ལྟར་སྒྲུལ་པ་ཆོ་ཉིན་ཉིས་བརྒྱ་པ་ཐུན་པ་རྩལ་པ་འི་པ་འི་ཆུ་ལོ༥༥ ཞལ་གྲུང་ཉིན་ཉིས་པ་ཐོབ་པ་ཐུ་པ་མཐའ་པ་ཐོབ་པ་ལོ༥༥ ཆོས་མཉམ་ཆེས་པ་དང་
 ཆོན་ཞིང་མཉམ་པ་ཐུར་པ་དང་བཞི་ལོ༥༥ དབྱར་ཞལ་པ་ཞི་པ་རུན་ཉིན་ཉིས་བརྒྱ་པ་གནད་པ་ལི་ཉིན་ཉིས་བརྒྱ་པ་ལོ༥༥ དགོས་པ་ཆོ་ཉིན་ཉིས་བརྒྱ་པ་ཆུ་ལོ༥༥ རྩལ་པ་ཐོབ་པ་ཐུ་པ་ཐོབ་པ་ལོ༥༥ ཆུ་ལོ༥༥ ཆུ་ལོ༥༥ ཆུ་ལོ༥༥
 བརྒྱུས་པོ་ལྟ་བུ་ཆེན་པོ་ཆད་ཆད་ཆུ་ལོ༥༥ ཆོ་ག་ལྟ་བུ་ཆེན་པོ་ལྟ་བུ་ཆུ་ལོ༥༥ ཐུན་མཐའ་ཆོས་པ་རུན་པ་གནད་པ་ཐུར་ཐུན་ཐོབ་ཐོབ་༥༥ དབྱར་དམ་པ་ཐོབ་པ་དང་ཆོས་པ་རུན་པ་ལོ༥༥
 གཏིས་པ་ཆོ་ཉིན་ཉིས་བརྒྱ་པ་ནི་དགོ་སྒྲུང་ཆོས་པ་ཐོབ་པ་ལོ༥༥ གསུམ་པ་གནས་གཤུ་ཉིན་ཉིས་བརྒྱ་པ་ལྟར་སྒྲུལ་པ་ལྟར་སྒྲུལ་པ་ཆོ་ཉིན་ཉིས་བརྒྱ་པ་ཐུན་པ་རྩལ་པ་འི་པ་འི་ཆུ་ལོ༥༥ ཞལ་གྲུང་ཉིན་ཉིས་པ་ཐོབ་པ་ཐུ་པ་མཐའ་པ་ཐོབ་པ་ལོ༥༥ ཆོས་མཉམ་ཆེས་པ་དང་

360

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमः

[illegible]

370

[illegible]

374

[illegible]

• ५३४५५ •

[illegible]

378

[The following text is highly stylized and appears to be a form of shorthand or a specific dialect. It consists of several lines of handwritten script.]

381

[illegible]

[illegible]

384

[illegible]

२०। ^{॥ १ ॥} ^{॥ २ ॥} ^{॥ ३ ॥} ^{॥ ४ ॥} ^{॥ ५ ॥} ^{॥ ६ ॥} ^{॥ ७ ॥} ^{॥ ८ ॥} ^{॥ ९ ॥} ^{॥ १० ॥} ^{॥ ११ ॥} ^{॥ १२ ॥} ^{॥ १३ ॥} ^{॥ १४ ॥} ^{॥ १५ ॥} ^{॥ १६ ॥} ^{॥ १७ ॥} ^{॥ १८ ॥} ^{॥ १९ ॥} ^{॥ २० ॥} ^{॥ २१ ॥} ^{॥ २२ ॥} ^{॥ २३ ॥} ^{॥ २४ ॥} ^{॥ २५ ॥} ^{॥ २६ ॥} ^{॥ २७ ॥} ^{॥ २८ ॥} ^{॥ २९ ॥} ^{॥ ३० ॥} ^{॥ ३१ ॥} ^{॥ ३२ ॥} ^{॥ ३३ ॥} ^{॥ ३४ ॥} ^{॥ ३५ ॥} ^{॥ ३६ ॥} ^{॥ ३७ ॥} ^{॥ ३८ ॥} ^{॥ ३९ ॥} ^{॥ ४० ॥} ^{॥ ४१ ॥} ^{॥ ४२ ॥} ^{॥ ४३ ॥} ^{॥ ४४ ॥} ^{॥ ४५ ॥} ^{॥ ४६ ॥} ^{॥ ४७ ॥} ^{॥ ४८ ॥} ^{॥ ४९ ॥} ^{॥ ५० ॥} ^{॥ ५१ ॥} ^{॥ ५२ ॥} ^{॥ ५३ ॥} ^{॥ ५४ ॥} ^{॥ ५५ ॥} ^{॥ ५६ ॥} ^{॥ ५७ ॥} ^{॥ ५८ ॥} ^{॥ ५९ ॥} ^{॥ ६० ॥} ^{॥ ६१ ॥} ^{॥ ६२ ॥} ^{॥ ६३ ॥} ^{॥ ६४ ॥} ^{॥ ६५ ॥} ^{॥ ६६ ॥} ^{॥ ६७ ॥} ^{॥ ६८ ॥} ^{॥ ६९ ॥} ^{॥ ७० ॥} ^{॥ ७१ ॥} ^{॥ ७२ ॥} ^{॥ ७३ ॥} ^{॥ ७४ ॥} ^{॥ ७५ ॥} ^{॥ ७६ ॥} ^{॥ ७७ ॥} ^{॥ ७८ ॥} ^{॥ ७९ ॥} ^{॥ ८० ॥} ^{॥ ८१ ॥} ^{॥ ८२ ॥} ^{॥ ८३ ॥} ^{॥ ८४ ॥} ^{॥ ८५ ॥} ^{॥ ८६ ॥} ^{॥ ८७ ॥} ^{॥ ८८ ॥} ^{॥ ८९ ॥} ^{॥ ९० ॥} ^{॥ ९१ ॥} ^{॥ ९२ ॥} ^{॥ ९३ ॥} ^{॥ ९४ ॥} ^{॥ ९५ ॥} ^{॥ ९६ ॥} ^{॥ ९७ ॥} ^{॥ ९८ ॥} ^{॥ ९९ ॥} ^{॥ १०० ॥}

386

[illegible]

[illegible]

392

[illegible]

मकमसः प्रियं वरुणं शिवं त्रिपुरं वरुणं

केतुमन्त्रं प्रियं वरुणं शिवं त्रिपुरं वरुणं
मन्त्रं प्रियं वरुणं शिवं त्रिपुरं वरुणं
मन्त्रं प्रियं वरुणं शिवं त्रिपुरं वरुणं
मन्त्रं प्रियं वरुणं शिवं त्रिपुरं वरुणं
मन्त्रं प्रियं वरुणं शिवं त्रिपुरं वरुणं
मन्त्रं प्रियं वरुणं शिवं त्रिपुरं वरुणं
मन्त्रं प्रियं वरुणं शिवं त्रिपुरं वरुणं
मन्त्रं प्रियं वरुणं शिवं त्रिपुरं वरुणं
मन्त्रं प्रियं वरुणं शिवं त्रिपुरं वरुणं
मन्त्रं प्रियं वरुणं शिवं त्रिपुरं वरुणं

[illegible]

402

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

412

[illegible]

419

[illegible]

[illegible]

434

[illegible]

[illegible]

[illegible]

453

[illegible]

५ अमर. दीपुग्वान्तोता

456

[illegible]

[illegible]

ॐ । सुदुःखं यत्कुसुमं दे । सुखं वा सत्यं मयि न पतिः कुम्भं दुःखं यत्पुष्पं । वदन्तं वीर्यं दधे च यत्पुष्पं । मन्त्रं वा दुःखं दधे च यत्पुष्पं ।
 वा दधे च यत्पुष्पं । सुखं वा सत्यं मयि न पतिः कुम्भं दुःखं यत्पुष्पं । वदन्तं वीर्यं दधे च यत्पुष्पं । मन्त्रं वा दुःखं दधे च यत्पुष्पं ।
 यत्पुष्पं । सुखं वा सत्यं मयि न पतिः कुम्भं दुःखं यत्पुष्पं । वदन्तं वीर्यं दधे च यत्पुष्पं । मन्त्रं वा दुःखं दधे च यत्पुष्पं ।
 कुम्भं दुःखं यत्पुष्पं । सुखं वा सत्यं मयि न पतिः कुम्भं दुःखं यत्पुष्पं । वदन्तं वीर्यं दधे च यत्पुष्पं । मन्त्रं वा दुःखं दधे च यत्पुष्पं ।
 वदन्तं वीर्यं दधे च यत्पुष्पं । सुखं वा सत्यं मयि न पतिः कुम्भं दुःखं यत्पुष्पं । वदन्तं वीर्यं दधे च यत्पुष्पं । मन्त्रं वा दुःखं दधे च यत्पुष्पं ।
 ॥ ॐ ॥ सुदुःखं यत्कुसुमं दे । सुखं वा सत्यं मयि न पतिः कुम्भं दुःखं यत्पुष्पं । वदन्तं वीर्यं दधे च यत्पुष्पं । मन्त्रं वा दुःखं दधे च यत्पुष्पं ।

459

462

TI433 - 462

། ཚེས་ལྷན་ཆེ་རྒྱུ་པ་གི་བཅའ་ཡིག་གི་སྒྲིམ་རྒྱུ་ལ་བསྟུན་སྟེ་ག་གི་ཀ་འཇུག་ས་ཞེས་བྱ་བ་བཞུགས་སོ། །

[illegible]

[illegible]

[illegible]

472

[illegible]

25

༡ རྩ་བུན་མིག་ཅིང་བོ་མས་མ་བསྐད་པར། གྲེ་དགའི་གཙོག་རྒྱན་ལམ་པར་རྟག་གནས་ཀྱི། ཁྱོ་བཟང་རྒྱལ་བ་ཕྱོད་ཀྱིས་མཆོར་རྒྱལ་གྱི་ལྷ།

11

476

TI433 - 476



།གནས་པ་ཉན་པུ་རྒྱལ་གི་ལུང་པ་ཉན་གསར་རྟེན་མ་ཕྱོལ་དང་བཅས་པ་ལས་ལས་རྒྱལ་མ་ལུ་བ་ཀྱི་སྤྱོད་པ་ཐང་ལེས་བྱ་བ་བརྒྱལ་ལོ།

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥

[illegible]

496

TI433 - 496

[illegible]

[illegible]

502

[illegible]

504

[illegible]

512

TI433 - 512

། རྩེ་བཅུ་དེ་ཏུ་ཡན་གྱི་ནམ་ཐར་གཅེས་བཅུ་སངས་ཐོར་བཞུར་བཅོས་པའི་སྒྲིག་དེས་བྱ་བ་བཀྲགས་པོ། །

515

[illegible]

ལྷ། །རང་ཉིད་ཀྱིས་ཤིས་ལགས་ཤིག་ཅིར་བསྐྱོད་པ་ཚེ་ལ། རྒྱུ་གཉིས་མཚོ་བརྒྱད་ཀྱི་ལོ་གྲངས་ཚམ་བཅའི་དུས་སྤུངས་གིས་ཆུ་བའི་ལུས་འབྲུག་ཅིར་བྱུང་པར་དུ་འཕགས་པའི་འབྲས་ལུ་ཐོབ་པོ། །དེ་གསུམ་ཅི་མཇུག་
 ཡི་མེད་ཀྱིས་ནལ་བཞག་པའི་གདམས་རག་པའི་རྒྱུ་ལ་ཞིབ་མཐོང་ཕྱིར་ཅི་དཀོན་བྱུང་ཆུང་ནས་བརྒྱུད་པའི་རྒྱུ་ལ་ལ་འབད་པར་གྱིས་ཤིག་ཅིས་བྱིས་པོ། །ཞེས་པའི་ལུང་བརྒྱུད་དང་ཞལ་གདམས་
 ལུང་ཆུང་ལ་བཞིན་དུ་དེམ་བྲག་ནས་ལིང་འེར་བྱེད་དཀོན་པ་ར་སོང་ཏེ། གནས་བརྒྱུད་ཅིན་པོ་རྒྱ་མཐོང་པོ་ལྷ་མེད་ཞེས་པ་ལས་འབྲུག་ལུང་ནས་སྤུ་མའི་བཀའ་བཞིན་ཏེ་ལང་དུ་བྱིན་ནས་རྒྱ་མེད་གཅིག་པ་ཞག་བརྒྱུད་ལུས་
 མི་གཡོ་བར་བསམ་གཏན་བསྐྱོར་པས་སྤུ་ལྷུང་བའི་ལོན་ཏན་རྒྱུ་ལ་དང་གསལ་པ་ལྷགས་ཀྱི་དངོས་གྲུབ་ཐམས་ཅད་མཐོན་དུ་བྱས་པོ། །དེ་ལས་ལུངས་པ་ནས་བཟུང་ཏེ་སྤུ་ཅོ་རྒྱུ་ལིང་ཚང་འབྲུག་ཅིར་
 བྱིས་ཐ་བའི་སྐྱོན་སྤྱོད་པ་དང་ར་མོ་བའི་བརྒྱུ་ལྷགས་འབྲུག་གིས་སུངས་ཀྱིས་བརྒྱུན་པ་དང་ཉམ་མག་པའི་སེམས་ཅན་པ་རྒྱུ་ལོན་བརྒྱུ་ལ་པའི་བྱུང་པས་ཀྱི་པའི་པོ་བསམ་གྱིས་མི་བྱུང་རྒྱུ་ལ་ཇི་ལྟར་མཛད་པའི་
 རྒྱུ་ལོན། །འཛིན་ཏེ་ན་ལགས་ཅོ་ཞིང་ཉམ་ལྷུང་ཀྱི་ལོ་གྲངས་ལྷ་མེད་པོ་དེར་ལྷུས་པར་བཞུགས་པོ། །དེ་ལྟར་དུ་གད་གཅོན་འབས་པོ་ག་རྒྱུ་ཅན་རྒྱུ་ལས་ཀྱིས་རྒྱ་ལྷུང་ལྷག་དོན་གི་བསམ་པར་བྱུང་ལྷུང་ལྷུང་ལྷུང་པའི་
 ལྷུང་ལྱིས་ཇི་ལྟར་དེ་ཉིད་ལིང་འེར་བྱེད་དཀོན་པ་ནས་བརྒྱུད་པར་བྱས་པ་ལས། ཇིང་ལྷུང་བྱེད་དཀོན་པ་རྒྱུ་ལྷུང་ལྷུང་ལྷུང་པའི་གྲངས་སྤུ་ཆུང་མ་རྒྱས་པར་སྤུ་ལུས་ཅི་མ་གནས་བཅའ་ཞིང་མཛད་པའི་ལྷུང་མ་བར་བྱིན་

519

འཛིན་པ་མཛོད་ཤིང་ཆེ་དཔག་བསམ་པའི་ཤིང་གི་རྩལ་ལྷན་པ་དང་བསྐྱུས་ཤིང་རྒྱལ་པོ་འཛིན་པའི་ཆེ་མཛོད་ལྷན་པའི་ཤིང་གསལ་དཔག་བསམ་པའི་བསྐྱུས་ཤིང་ཆེ་མཛོད་ལྷན་པའི་

526

[illegible]

533

535

[illegible]

537

[illegible]

མིཏྲག་པའི་ཉིད་ཀྱི་མདོའི་འབྲེལ་པ་ལེགས་པ་ཤར་སྤྱོན་མཐོངས་ཉི་ཟེར་ཞེས་བ་བཞུགས་སོ།

[illegible]

[illegible]

544

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

557 ॥

। सुभारदुदरप्रसादुदरकेन मयरेभोर मलुनससो ।

ལྟོ

558

༡༡༡། །ཕྱགས་ཀྱི་དམ་བཅའ་ཉི་ཤེས་པ་དང་ཕོ་མོ་གཉིས་ཀྱི་ ་རྟོགས་པ་པ་དེ་ཡི་རོ་བོ་རྟོ། །X X ལུན་གྱི་གནས། །ཞེས་པ་འཇིག་རྟེན་འདི་གནས་ཕུང་བས། །དེ་ལྟར་ཡང་ནི་འདི་སྐད་དུ། །ལུན་རྟོ་བ་དང་
 བོ་དོ་བ་དམ་གྱི། །ཞུ་པ་ཕྱེ་སོ་སོར་གྲོས་ནས་ནི། །གང་དུ་ཡང་དག་འདྲེས་གྱུར་པ། །བུད་དུ་འཇུག་པ་དེ་བཟུང་དོ། །ཞེས་སྟེགས་གཞུང་གི་བསྟན་པའི་ལྟར། །འདི་གསལ་ལ་སྒྲུ་ལུས་བུད་འཇུག་སྟེགས། །ཞུས་
 ལེན་དུ་མས་ཀྱུད་བུ་མས་པ་འདི། །མཁས་མང་གསེར་རྟོ་ཕྱེད་བ་ལྟར། །མཚན་དུ་དང་བའི་མདུན་ས་ཆེར། །མདོ་སྡེ་ལུན་གྱི་བུ་མ་དོག །ཁྱུད་སྡེ་ལུན་གྱི་ཆེ་རྒྱུར་པ། །ཁྱུད་འདི་ཞུ་བར་ཉེད་པ་ལ། །སྒྲུ་སྒྲུ་ཡི་འགྲོལ་
 བཟུང་ལས། །པ་རབས་ལེགས་བཟུང་ཞུས་པ་འདི་འགོར། །རང་གི་འདོད་ལྟར་ལྷག་བཟུང་དོ། །ཞེས་གསུངས་དེ་བཞིན་འདིར་ཡང་ནི། །བཟུང་པ་འདི་ཕྱོག་མར་མཆོད་བརྟེན་གྱི། །ཆིག་གི་འདབ་བཟུང་ཕྱེད་བ་འདི། །མཁས་མང་
 མཁུལ་ཁྱུད་འདི་ལྟར་སྟེ། །ཉེ་ན་མོད་ །ལྟར་བཅས་སྟེན་པ་X X ལུས་པས་འདུད། །ཁྱུད་ཕུང་མཚན་དཔེ་ཉི་X X རྒྱལ་པ་དེ་དེ་འཆད་ལ་ལུས་པས་འདུད། །ཁྱུད་རྒྱལ་ཕུང་མཆོད་གསལ་བའི་བདག་པོ་དང་། །པམ་འདིལ་མཆོག་
 བཞེས་ཞེན་སྒྲུ་ཉི་ཞེས། །སྒྲུ་ཡི་མཁའ་འགྲོ་པོ་སྒྲུ་གསུང་དང་། །གྲུ་མཆོག་མདུ་ལྟུན་ཞེས་པ་ལ་X ལུ་སྒྲུ་པ་དེ་དེ་ཅན་དང་འཇུག་པ་ལ། །སྒྲུ་ཡི་བུད་ཁྱུ་སྒྲུ་བཞེས་གཞེན་དང་། །མ་དང་གི་དང་སྒྲུ་བའི་ཞེས་པ་སྟེགས་གསུང་།
 འཇུག་པ་ལུས་པ་ལྟུ་གྲུ་ཞུས་པ་ལ་X འདི་གཞེན་མིག་གྱུར་སྟེ་ཆེན་པོ་དང་། །གསལ་བའི་མཆོད་འདི་ལྟུ་སྒྲུ་གསལ་བའི་ཞེས། །མཁས་པ་འདི་དབང་པོ་ཉེ་ན་གསུང་པའི་སྟེགས་གསུང་། །པམ་འདི་རྒྱལ་མཆོད་ཞུས་པ་ལ་X གང་ཞེས་

TI433 - 558

[illegible]

ལྷ་མ་གྱི་བསྟན་པ་རིན་པོ་ཆེ་དང་ཆེད་ཀྱིས་ལ་ཡུན་རིང་དུ་གནས་པ་དང་། དེ་ཉིད་འཛིན་ཅིང་སྒྲེལ་པའི་མཁའ་མ་ལུན་གྱིས་ལྷ་མ་པའི་སྒྲིམ་ཆེན་དམ་པ་རྣམས་ཀྱི་ཞལ་པ་དང་སྒྲིན་མཐར་བཞག་ཅིང་མཛོད་འཕྱིན་ཤོགས་ལུང་རྒྱས་པ་དང་། བདག་གཞན་གྱི་འགྲོ་
 བམས་ཅད་མདོ་རྒྱལ་ས་ཆོས་ཀྱི་འདུན་ཅིང་སྒྲེལ་པའི་རིམ་གྱིས་བྱུང་འདུག་དེ་ཆེ་འཆར་གི་གོ་འཕང་ལྷ་མ་ལུང་དུ་བྱོལ་པར་འགྱུར་པ་ཡིན་པར་བཤད། དེ་ལྟར་ཡིན་ནོ་ཆོས་པའི་ཚུལ་དང་པོ་དེ་ཉིད་སྟོན་པར་བྱེད་པ་ལ། བདག་དང་གཞན་གྱི་
 འཕར་གྱུར་ཅིག ། ཅེས་པའི་གཞུང་འདི་བྱུང་། ཚུལ་གཉིས་པ་དེ་ཉིད་སྟོན་པར་བྱེད་པ་ལ། ཡན་མདེ་འཕུང་པའི་མ་ལུན་གྱུར་ཅིག ། ཅེས་པའི་གཞུང་འདི་བྱུང་། ཚུལ་གསུམ་པ་དེ་ཉིད་སྟོན་པར་བྱེད་པ་ལ། དགེ་བ་འདི་ཡིས་
 ལྷ་མ་དུ་བདག ། སངས་རྒྱལ་ལུན་གྱི་ལུན་བདག་ཉིད། ། དེ་ཆེ་འཆར་པ་བྱོལ་གྱུར་ཅིང་། ། འགྲོ་བས་ཀྱང་ཉིད་བྱོལ་གྱིས་ ། ཅེས་པའི་གཞུང་འདི་བྱུང་པ་ཡིན་པའི་བྱེད། མཆོད་འཕྲོལ་བྱེད་ཚུལ་གྱི། བཀའ་འདིན་གསུམ་ལྷན་བཞེས་
 ཀུན་ཅི་ཆེ་འཛིན། ། རྒྱུད་འགྲེལ་འཆད་ཉན་ཉམས་ལེན་དམ་པའི་ཆོས། ། སྟོབ་གཉིས་མཆོད་གྲོགས་རིག་འཛིན་དགེ་འདུག་སྟེ། ། ལྷ་མ་གནས་དཀོན་མཆོག་གསུམ་ལ་གསོལ་བ་འདེབས། ། མཆོད་མཆོད་ཅེས་མཆོད་པའི་གཞིར་བྱས་པ་
 ལས་མཆོད་ཡུལ་བྱུང་པར་ཅན་གང་ལ་མཆོད་པ་ཡིན་ཞེས། ལྷ་མ་ཡིད་མ་སངས་རྒྱལ་བྱུང་སོམས་དཔལ་པོ་མཁའ་འགྲོ་ཆོས་སྟོན་ལྷ་མ་དམ་ཅན་གྱི་མཆོད་ཆོགས་རྣམས་ལ། ། དུས་འདི་ནས་བཟུང་སྟེ་བྱུང་ཚུབ་མ་བྱོལ་གྱི་པར་དུ་བྱེ་
 བོར་གཞུག་གི་གྲན་དུ་མཆོད་མཆོད། ཅེས་ལང་ལང་བརྟེན་པར་བྱེད།

564

TI433 - 564

[illegible]

569

ལ་གསེལ་བ་འདེབས། ། སྤུང་ཡི་དཔ་སངས་ཀྱིས་ཁྱེད་སེམས་དཔའ་པོ་མཁའ་འཕྲོ་ཆོས་ཀྱི་བསྐྱེད་པ་འཛིན་པ་རྣམས་ལ་རྒྱུ་ལྡན་པ་ལྟར་ཕྱེ་ཐོག་ཅུ་ལྟུང་གི་ཉིང་པོ་ལ་མཆོས་ཀྱི་པར་རྒྱུ་མཆོད་དོ། ། འཕྲུལ་
 ལོ་དྲུག་གསེལ་ལོ། ། བོད་པ་ལྷན་པར་ན། ཉེན་པའི་ལྷ་ལ་ཉེན་མ་གསེལ་བ་འདེབས། ། མཆོད་མཆོད་ཅེས་མཆོད་པའི་གཞིར་བྱས་ནས། མཆོད་ལུལ་ཁྱད་པར་ཅན་གང་ལ་མཆོད་པ་ཡིན་ཅེ་ན། སྤུང་ཡི་དཔ་སངས་ཀྱིས་ཁྱེད་
 སེམས་དཔའ་པོ་མཁའ་འཕྲོ་ཉེན་ཐོས་རང་ཀྱལ་བརྒྱན་བསྐྱེད་ཀྱི་མཆོད་ཆོག་ལ་རྒྱུ་ལྡན་པ་ལྟར་ཕྱེ། ཆོ་འཕམ་ཐམས་ཅད་རྒྱུ་འཕྲུལ་བ་མེད་པར་བྱི་བོར་གཏུག་ཀྱང་རྒྱུ་མཆོད་མཆོད་། ཅེས་འཕྲུལ་པར་
 ཡང་ཐོར་བཞེད་པས་ཆོག་པ་ལྟར་ཉེན་པའི་ལྷ་ལ་ཉེན་མ་གསེལ་བ་འདེབས། །

[illegible]

4

573

[illegible]

[illegible]

465-5

583

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

དང་ལྷ་མོ་ལ་གཉེས་ཀྱི་ཤོ་མཁུ་ཡུལ་པར་དེ་མཁུ་དུ་བརྟེན་པའི་ལྷ་མོ་༥

592

TI433 - 592

[illegible]

594

[illegible]

[illegible]

五

597

[illegible]

७३ । ३३ कृत्वा च मन्त्रं पठेत्तदा यथा शक्तिः संप्रसादयति ।

[illegible]

པ་རྒྱལ་ལ་ལྷན་ཀླུ་ལ་ལུ་ཡར་འཆོག་ལ་ལྷན་པ་ན། ཤེས་པ་ལ་སྒྲིལ་པོ་བདེན་པར་བསྐྱེད་པུ་བཅས་པར། རྗེ་འདིར་ཁྱིམ་སྤྲུལ་ལ། རུས་འཁོར་གྱི་བསྐྱེད་པ་བྱེད། རང་ལ་དཔལ་མཆོན་བརྗོད། དེ་ནས་

[illegible]

བྱལ་གཤམ་ཏུ་འཁོར་ཅིང་། ཆོས་ཀྱི་པ་རིགས་ལྡན་གྱི་གསེལ་འདེབས་འདྲི་པ་ལས། ཆོས་པ་སྤྱིར་པའི་ཁྱུ་རུ་བཞུ། །ཞེས་པའི་མཆོམས་ནས་དཔལ་བཅའ་པ་རྣམས་ལས་ཏེ་སྟོན་བཞུ།

ཐིས་པར་ལ་གྱིན་པ་སོགས་དེ་དང་བཅས་སྟུང་མོ་དང་། འཕྲ་རྒྱ་དང་ཞུ་ཆུ་མ། སྤྱོད་ཀྱི་མ། ་གསལ་ཁོ་མ་དང་ཡུལ་གྱི་ཉི་མཚམས་སྟུང་། དུང་།

ཡ་རྒྱལ་ས་མ་དང་བྱ་པ་ཆོན་མ་རེས་མེས་རྟོན་ནོ། །
 ཚིག་ས་བཞུག་ཁར། རྩུབ་ས་གསུམ་ཀུན་རྩུས་མ།
 ཕྱི་རྟེན་འཛིག་ས་པ། བྱ་པ་བ་བྱེ་བ་མ་མཐོང་། འབྲེག་པ་ཉ་ལས་ན

[illegible]

600 ལེ ༢ བཤེགས་ཤེགས་ཕུགས་རྩེ་མ། སྒྲིལ་མཆན་ ༣ རྩེ་ཕྱི་རྩེ་རྩེ་མ་ ཡུམ་དེ་ལ་ཕུག་འཆལ། ཁྱི་ཕྱོ་༢ རུས་ཀྱིས་ཁེའི་ལོས་ལོགས་བརྩེད་ལ། དམ་བཅའ་ཚུགས། མཚུག་ཏུ།
 རུས་འཁོར་སྒྲིལ་པམ་ཆོག་ཕུག་མ། གཞུ་ལའི་སྒྲིལ་པམ། བཟུན་པ་ཀུས་པའི་སྒྲིལ་པམ། བཟུན་པའི་མཚན་མ། ཕུན་སུམ་ཆོགས་མ། དམིགས་བཅོམ་ ༣ མེ་མེ་.....
 བཟུགས་ཀྱི་མཆོད་ཐོར་སྒྲུབས། རུས་འཁོར་སྒྲིལ་པམ་ཆོག་། ལྷ་རྩེ་རྩེ་མཆོད་ལ། སྒྲུ་མཐའ་མཐོན་པོ་མ་གསལ་འཛིན་རྒྱུ་ལ་རྩེ་བཟུན་དམ་པ་གསུམ། ཁྱུ་འཕྲོད་
 རིམ་ཁྱེན་རྒྱུམས་ལ་མཆོད་པ་འདུལ། ཁྱེད་གཞན་མ་སྒྲིལ། ཁྱེད་ཀྱི་འཁོར་ལོས་རབ་བཟུན་བཟུང་སྒྲུབ་ཏུ། ཁྱེད་ཀྱི་གཤེད་པོར་བཟུས་པ་དེ་རྩེ་ཕུགས། ཁྱེད་མ་ཕུག་ཏུ།
 བཅས་ཁྱེད་ལོས་སྒྲུབ་ཀྱི། ཁྱེད་ཀྱི་ཕྱོ་རྩེ་མཆོད་པའི་འཕྲིན་པས་མཛོད། ཁྱེད་ཀྱི་རུས་འཁོར་པའི་མེ་བཟུགས་ཕྱོར་
 རུས་ཀྱི། བཟུགས་ཀྱི་ལ་བཅའ་ཕྱོ། གཞུ་ལས་མས། མའ་ཏུ་ཐོས་པའི་འཕྲུལ་བ་འཛིན་པ་ཆོན་པོ་མའི་སྒྲུགས་རབ་འབྱུངས་སྒྲུ་པའི་པེལ་གཏེན་རྒྱུ་ལ་རིགས་པམ་ལ་པེལ་
 རུ་ཐོས་སྒྲིལ། བཟུགས་ཀྱི་ལ་བཅའ་ཕྱོ། རྩེ་ཕྱོ་༢ རུས་ཀྱིས་ཁེའི་ལོས་ལོགས་བརྩེད་ལ། དམ་བཅའ་ཚུགས། མཚུག་ཏུ། རྩེ་ཕྱོ་༢ རུས་ཀྱིས་ཁེའི་ལོས་ལོགས་བརྩེད་ལ། དམ་བཅའ་ཚུགས། མཚུག་ཏུ།
 རྩེ་ཕྱོ་༢ རུས་ཀྱིས་ཁེའི་ལོས་ལོགས་བརྩེད་ལ། དམ་བཅའ་ཚུགས། མཚུག་ཏུ། རྩེ་ཕྱོ་༢ རུས་ཀྱིས་ཁེའི་ལོས་ལོགས་བརྩེད་ལ། དམ་བཅའ་ཚུགས། མཚུག་ཏུ།

$$\frac{9}{12} = \frac{3}{4}$$

603

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

सुखमयप्रिय

611

TI433 - 611

[illegible]

ལྟོ། །དགེ་བ་འདི་ཡིས་སྒྲེ་བོ་གྲུ་། །> ཐོབ་པར་སོག་ །ཅེས་པའི་གཞུང་འདི་རྒྱུ་བ་ཡིན་པའི་བྱིང་།
 རྒྱལ་པའི་གཞུང་འཛོལ་ཐོག་མཆོག་དགེ་བའི་བསྐུལ་། །ལམ་རིམ་འཆད་ཀྱི་ཉམས་ལེན་དམ་པའི་ཆོས་། །དཔེན་པར་ཆོས་སྤྱོད་སྤྱན་གྲོགས་དགེ་འདུན་ཏེ། །སྤྱུ་བམ་གནམ་དཀོན་མཆོག་གསུམ་ལ་གསོལ་བ་འདེབས་། །
 མཆོད་མཆོད་ཅེས་མཆོད་པའི་གཞིར་དྲངས་ནས། མཆོད་ཡུལ་ཁྱད་པར་ཅན་གསལ་མཆོད་པ་ཡིན་ཅེས། སྤྱུ་མ་ཡི་དམ་མཐུན་རྒྱལ་ཁྱད་མེ་པས་དཔའ་བོ་མཁའ་འགྲོ་ཉན་ཐོས་དང་རྒྱལ་བ་སྤྱན་རྒྱུང་རྒྱ་མཆོད་ཆོག་ས་ནམས་ལ་
 སྒྲེ་བ་འདི་ནས་བརྒྱུད་ཏེ། ཆོ་ཡས་ཐམས་ཅད་དུ་འབྱལ་བ་མེད་པར་སྤྱི་བོར་གཏོག་ཅུན་དུ་མཆོད་མཆོད།

616

TI433 - 616

617 ༄། །སྒྲུབ་རྣམས་པའི་དམ་པའི་ཁས་ལེན། འཕྲོས་ཚུལ། གཞུང་འབྲེམས། ཚོག་བརྒྱ་པའི་སྤྱི་ལས་རིམ་བཞུགས་སོ། །

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

625

626

[illegible]

[illegible]

628

[illegible]

རྩིས་སྤྲོད་པ་ལས་སྤྱུ་པ་པའི་ཕྱི་མ་པ་དང་སྤྱི་པ་རིག་པའི་ཡེ་ཤེས་དང་དྲན་པའི་ཡིད་ལས་སྤྱི་མ་ཁྱི་མ་ལུས་པ་ལྟ་དུ་མཛོད་པ་གསུང་བུ་དཔྱད་ཐུག་གི་ཁྱུ་པ་པོ་ཞེས་བྱ་བ་ཡོད་པ་ལུ་རྩིས་པ་ལོ། །
 ཞེས་པའི་བར་གྱི་གཞུང་པའི་ཁྱུ་པ་། དེ་ནི་རྩིས་ཁྱུ་པ་གི་རྩིས་ལྟ་ལྟ་དེ་དང་མ་ཐུག་པ་རུ་རྩིས་འཁོར་གྱི་ཁྱུ་པ་དེ་ནི་རྩིས་སྤྱི་བ་རྩིས་པ་ལྟ་གི་རྩིས་ཀྱི་ཁྱུ་པ་ལྟ་བུ་ལས་པ་ལ་སོ་སོར་དེ་ལྟ་པ་ལྟ་ཐེག་པ་
 མེད་ཀྱི་ཐོབ་པ་པ་མཛོད་།

636

T1433 - 636

637 ཨ ལྷན་མ་པའི་བཤད་པ་བརྟུང་ཚུལ་བཞུགས་པོ། །

640

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ཕྱི་ལོར་གཞུག་གི་ཀློན་ཏུ་མ་ཆོད་མ་ཆོད་། མེས་པུས་ལམ་ལམ་གཏོར་ལོ།

གསལ་ཆེན་ཆུང་སྟེ་ཕྱི་ལོ་བདུན་ཅི་འཁུངས། རྩོད་མཁའ་འགྲུག་ལ་འཛིན་པའི་འཕགས་པའི་ཆོག་ལ། རྩོད་ཆུབ་སེམས་ཀྱིས་བསྟན་འགྲོའི་པན་པ་དེ་སྟོང་། བཀོད་པའི་འབྲིན་ལས་ཆར་ལྟར་བཅས་ཀྱིས་ཅིག །
 ཆོས་པའི་དོན་ལ་ཉེས་གཏན་གྱིས་མཆོད་ཆོས་ལ་ནས་སྒྲོལ་བུ་དེ་སྟེ། བསྟན་པ་ཁོ་ན་མ་སྟགས་པ་དོན་ཆོ། འཁོར་ལོག་ལུ་མ་དང་། བདེ་ཆེན་དཀྱིལ་འཁོར་གཉིས་ཀྱིས་འཁུགས་པ་འཛིན་པའི་ལྷོ་ལ་ཁ་ཅན་དུ་སྟགས་སྟོན་ཆུ་ཆེར་མཛོད་དུ་གསེལ།
 ཞེས་ཁོས་ཆུང་བདག་གིས་ཐམས་མཁྱེན་པ་ལྟུང་། ། འཇམ་དབྱེད་ཀྱིས་འཁོར་དམ་ཅན་ཆུ་མཆོད་ཀྱི། མཆོད་བསྟོད་བསྟུན་བཛོད་ཆུ་པ་ཁོ་ན་བྱེད་པ་ལོ། ། དགོ་མ་ཆེན་ཇི་སྟེ་དམ་ཆོས་པའི་བཀྲ་ཤིས་དེས། ། དགོས་ལ་དཔུང་
 རྩོད་མ་ལྟག་པའི་བཀྲ་ཤིས་ཤིག་། །

[illegible]

649

TI433 - 649

৯৬৮

651

[illegible]

TI433 - 651

652

TI433 - 652

། ལྷགས་ཀྱི་ཡིང་བསྐྱེད་ཁྱབ་པའི་མོད་རྩེ་ལ་དངག་ཁུང་འཕྲུལ་ཀྱི་རྒྱ་ར་བཞུགས་སོ། །

[illegible]

655

॥३॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

TI433 - 659

660

TI433 - 660

॥ अथ लोकोत्पत्तिः ॥

དེ་ཡང་རིན་པོ་འདྲུ། རྩོམ་པའི་བཤམ་པ་ལྟ་བུ་ཞིག་སྒྲིམ་པ་ལྟ་བུ་སྒྲིམ་པ་

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्ण उवाच । द्रष्टव्यं श्रोतव्यं च त्वत्परां प्रसादात् ।
 विदितं ध्यातव्यं च त्वत्परां प्रसादात् । विदितं ध्यातव्यं च त्वत्परां प्रसादात् ।

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यद्वाक्यं ब्रह्म सच्चिदानन्दं तत्तत्त्वमसि ॥ यद्वाक्यं ब्रह्म सच्चिदानन्दं तत्तत्त्वमसि ॥ यद्वाक्यं ब्रह्म सच्चिदानन्दं तत्तत्त्वमसि ॥

[illegible][illegible]

རྩུམ་ལྷོ་མེད་པའི་རྩུ་ཡིན་ལ། དེ་ལ་ཡང་པ་རྩུ་ཕྱེ་བ་ལྷན་ཏུ་གྲངས་། མ་རྩུ་ཕྱེ་བ་ལྷན་ཏུ་གྲངས་གཅིས་སུ་ཡོད་པ་རྣམས་ལས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་གཞུག་གི་འོ་ཁུ་རྩུ་རྩུ་རྩུ་
 པ། རྩུ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་རྩུ་ལ་པོ་དཔལ་ལྷན་གསལ་དུ་སྤྲུལ་པ་ཞེས་ཡོད་སུ་གྲགས་པ་དེ་ཅི་ཤི། དེ་རྩི་ལོ་ག་རྣམས་ལས་མཐར་ཏུ་གཞུག་པ་ཞིག་ཀྱི་འཕྲུལ་དུ་གྲགས་
 པ་མཛེས་གསལ་དུ་གྲགས་པའི་རྩུ་པར་དང་། འཕྲུལ་རྩི་གསལ་ཐབ་ལོ་རིམ་གཅིས་ཀྱི་རྩུ་ལྟེ་ལ་དགའ་བའི་རྩུ་པར་དང་། རྩུ་པར་དེ་གཅིས་དང་ལྷན་པས་འདྲི་ཆེ་ལོ་དང་ཅིད་
 ཀྱིས་འཕྲུལ་རྩུ་ཀྱིས་ལོ་གསལ་པར་འཕྲུལ་པའི་རྩུ་པར་གསལ་ལྷན་ཀྱི་འཕྲུལ་རྩི་གསལ་ལྷན་ཀྱི་འཕྲུལ་རྩི་གསལ་ལྷན་ཀྱི་འཕྲུལ་རྩི་གསལ་ལྷན་ཀྱི་འཕྲུལ་རྩི་གསལ་
 ལྷན་ཀྱི་འཕྲུལ་རྩི་གསལ་ལྷན་ཀྱི་འཕྲུལ་རྩི་གསལ་ལྷན་ཀྱི་འཕྲུལ་རྩི་གསལ་ལྷན་ཀྱི་འཕྲུལ་རྩི་གསལ་ལྷན་ཀྱི་འཕྲུལ་རྩི་གསལ་ལྷན་ཀྱི་འཕྲུལ་རྩི་གསལ་ལྷན་ཀྱི་འཕྲུལ་རྩི་གསལ་
 ལྷན་ཀྱི་འཕྲུལ་རྩི་གསལ་ལྷན་ཀྱི་འཕྲུལ་རྩི་གསལ་ལྷན་ཀྱི་འཕྲུལ་རྩི་གསལ་ལྷན་ཀྱི་འཕྲུལ་རྩི་གསལ་ལྷན་ཀྱི་འཕྲུལ་རྩི་གསལ་ལྷན་ཀྱི་འཕྲུལ་རྩི་གསལ་ལྷན་ཀྱི་འཕྲུལ་རྩི་གསལ་
 ལྷན་ཀྱི་འཕྲུལ་རྩི་གསལ་ལྷན་ཀྱི་འཕྲུལ་རྩི་གསལ་ལྷན་ཀྱི་འཕྲུལ་རྩི་གསལ་ལྷན་ཀྱི་འཕྲུལ་རྩི་གསལ་ལྷན་ཀྱི་འཕྲུལ་རྩི་གསལ་ལྷན་ཀྱི་འཕྲུལ་རྩི་གསལ་ལྷན་ཀྱི་འཕྲུལ་རྩི་གསལ་

[illegible]

ལྟག་མ་བརྒྱུད་གཤིས་བྱས་པར་བཤད་པ་གཉིས་ཡོད་པའི། ང་པོ་ལ་གཉིས། ལེ་འཁྲུག་གཞུང་བཤད་པ། ལེ་འཁྲུག་མཚན་དོན་བཤད་པའོ། ང་པོ་ལ་གཉིས། སྒྲིང་
 གཞི་དང་དཀྱིལ་ལམ་པོར་གཉིས་ཀྱིས་རིམ་གཉིས་ཀྱི་ལམ་བཤད་པ། ལམ་གཉིས་ཀྱང་སྒྲིང་དུ་བཤད་བསྐྱར་ནས་བཤད་དགོས་པར་བསྐྱར་པ་གཉིས་ཡོད་པའི་ང་པོ་
 ལ་བཞི། སྒྲིང་གཞི་ལྷན་སྒྱུ་མཚན་གསུམ་པས་ཀྱུད་ཀྱི་དགོས་པ་ཀུན་བསྐྱར་པ། གཞུང་སྒྲིང་ཀྱིས་བདེ་བཅོམ་པོ་ལམ་འདྲིའི་གཞུང་དུ་བསྐྱར་པ། བསྐྱར་དཀྱིལ་ཀྱིས་
 རྟེན་དང་བརྟེན་པའི་དཀྱིལ་ལམ་པོར་གཉིས་ཀྱི་རིམ་པ་བསྐྱར་པ། དོན་དེ་ནི་ལམ་ལ་ཆེད་བཟོད་ཀྱས་ཚུལ་བཤད་པ་དང་བཞི་ཡོད་པའི་ང་པོ་ལ་གཉིས། རྟེན་པ་དང་དུས་དང་
 གཞུང་སྒྲིང་སྒྱུ་མཚན་གསུམ་པ་བསྐྱར་པ་དང་། ལམ་པོར་སྒྲིང་སྒྱུ་མཚན་གསུམ་པ་བཤད་པའོ། འདི་གཉིས་སྒྲིམ་སྟེ་བཤད་པ་ལ། འདི་སྒྲིང་བདག་གཤིས་ཐོས་པ་དུས་གཅིག་
 བཞུགས་ཞེས་པ་ནས། དེ་བཞིན་གསུགས་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱིས་ལམ་ལམ་པའི་དཀྱིལ་ཐམས་ཅད་མིན་དུ་གཤམ་པར་སྒྲུབ་པར་གྱུར་དོ། །ཞེས་པའི་པར་གྱི་གཞུང་འདི་ལྟར།
 གཉིས་པ་བཤད་པ་ལ། དེ་ནས་བཙུམ་ལྟར་འདས་དེ་བཞིན་གསུགས་པ་དེ་ཆེན་ལ་པར་སྒྲུབ་མཛད་ཆོམ་པོ་ཞེས་པ་ནས། ལ་ལམ་པོར་མེ་གཤི་དོན་ལྟ་བུ་དེར་ཡང་དག་པར་

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ཚེ་བུ་གི་ལོ་ལྷན་བཟང་ཚུ་ལ་ལ་གཉིས། ལེ་ཁྱེ་གཞུང་བཟང་པ། ལེ་ཁྱེ་མཚན་བཟང་པོ། རང་པོ་ལ་གསུམ། རྒྱུ་པ་པོ་ཚེ་གཉིས་མཚན་ལ་ལྷན་པ། བཟླ་ཅིང་གསོལ་
 བ་བཟང་པ། གསོལ་བ་བཟང་པོ་དེ་བཟང་པོ། རང་པོ་བཟང་པ་ལ། དེ་ལས་བཅོམ་ལྷན་པ་ལས་ཞེས་པ་ནས། གསོལ་བ་བཟང་པོ། ཞེས་པ་ལྷན་གྱི་གཞུང་ལྟེ་ལྷན་
 གཉིས་པ་ལ་གཉིས། རྒྱུ་པ་པོ་ཚེ་གཉིས་བཟླ་པ། ལམ་ཚོན་པ་པོ་ཚེ་གཉིས་བཟླ་པོ། དེ་གཉིས་ཚུམས་ཏེ་བཟང་པ་ལ། དེ་ཏེ་ལམ་ལ་ལྷན་པ་ལེ། ཞེས་པ་ནས།
 ལྷན་པ་ལྷན་པ་དེ་ཏེ་ལྷན་པ་ལྷན་པ། ཞེས་པ་ལྷན་གྱི་གཞུང་ལྟེ་ལྷན་གསུམ་པ་ལ་གསུམ། རྒྱུ་པ་པོ་ཚེ་གཉིས་ཚུམས་པ་ལྷན་པ་ལྷན་པ། མཚན་པ་པོ་ཚེ་གཉིས་
 ལྷན་པ་པོ་ཚེ་གཉིས་པོ། རང་པོ་བཟང་པ་ལ། དེ་ལས་ལྷན་པ་པོ་དེ་ཏེ་ཏེ་ཏེ། ཞེས་པ་ནས། ལྷན་པ་ལྷན་པ་ལྷན་པ་ལྷན་པ། ཞེས་པ་ལྷན་གྱི་གཞུང་ལྟེ་ལྷན་གཉིས་པ་བཟང་པ་ལ།
 བཟླ་གཞུང་ལྷན་པ་ལྷན་པ། ཞེས་པ་ནས། མཚན་པ་ལྷན་པ་ལྷན་པ་ལྷན་པ། ཞེས་པ་ལྷན་གྱི་གཞུང་ལྟེ་ལྷན་གསུམ་པ་བཟང་པ་ལ། ལྷན་པ་ལྷན་པ་ལྷན་པ་ལྷན་པ།
 676 ཞེས་པ་ནས། ལྷན་པ་ལྷན་པ་ལྷན་པ་ལྷན་པ་ལྷན་པ། ཞེས་པ་ལྷན་གྱི་གཞུང་ལྟེ་ལྷན་ལྷན་པ་བཟང་པ་ལ། དེ་བཞིན་གསུངས་པ་ཞེས་པ་ནས།

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ཡེ་ཤི་པར་གྱི་གཞུང་འདི་ལྟར་། གོ་ཤི་ལ་པཅད་གསུམ་པ་དཀྱིལ་འཁོར་དེ་རྩེ་མཐོན་པར་ཕྱར་ཐུག་པའི་ལེའུ་བཟང་ཚུལ་ལ་གཉིས་། ལེའུ་གཞུང་བཟང་པ་། ལེའུ་
 མཚན་བཟང་པའོ། །དང་པོ་ལ་གསུམ་། དཀྱིལ་འཁོར་གྱི་ཚོ་ག། །དོས་གྲུབ་གྱི་ཚོ་ག། །ཕྱོད་པའི་ཚོ་གའོ། །དང་པོ་བཟང་པ་ལ། དེ་ལས་བཅོམ་ཕྱེད་འདས་ཞེས་པ་ནས་
 ཕྱིས་ཕུ་ཚོ་ན་པོས་དེ་སྐད་ཅེས་བཀའ་རྒྱུ་ལ་ངོ། །ཞེས་པའི་པར་གྱི་གཞུང་འདི་ལྟར་། གཉིས་པ་བཟང་པ་ལ། དོས་གྲུབ་ཐམས་པ་ཅད་བརྒྱུས་པ་དང་། ཞེས་པ་ནས་ རྩེ་
 རྩེ་པ་དེ་སྐད་ཅེས་བཀའ་རྒྱུ་ལ་ངོ། །ཞེས་པའི་པར་གྱི་གཞུང་འདི་ལྟར་། གསུམ་པ་བཟང་པ་ལ། དོས་གྲུབ་ན་དེ་རྩེ་ཞེས་པ་ནས་ རྩེ་རྩེ་པ་དེ་སྐད་ཅེས་བཀའ་རྒྱུ་ལ་
 རྩེ་། ཞེས་པའི་པར་གྱི་གཞུང་འདི་ལྟར་། ཚུལ་འཁོར་གཉིས་པ་བཟང་པ་ལ། དེ་བཞིན་གསུམ་པ་ཞེས་པ་ནས་ ལེའུ་ཕྱོད་བརྒྱ་ལྟ་པའོ། །ཞེས་པའི་པར་གྱི་
 གཞུང་འདི་ལྟར་། གོ་ཤི་ལ་པཅད་བཞི་པ་ རྩེ་ཕྱོད་བརྒྱ་ལྟ་པའི་ལེའུ་བཟང་ཚུལ་ལ་གཉིས་། ལེའུ་གཞུང་བཟང་པ་། ལེའུ་མཚན་བཟང་པའོ། །དང་པོ་
 ལ་གསུམ་། མཚན་ལས་ཕྱུར་ནས་བཟོད་ཅིང་གསོལ་བ་གསུམ་པ་། བཟོད་པ་ལ་དཀྱིལ་ནས་ཕྱོད་པ་གསུང་བ་ལ་མཐོང་དུ་ཕྱོགས་པ་། གསོལ་བ་བཟང་པའི་དོན་

[illegible]

686



TI433 - 686

[illegible]

བཞིན་དུ་འཆད་དོ། །ཞེས་པའི་པར་གྱི་གཞུང་འདི་ལྟར། གཏིས་པ་ལ་གཏིས། རྒྱུད་གྱི་དོན་ཀུན་བསྐྱེད་ཏེ་བསྐྱེད་པ། རྒྱུད་བཟང་ཐབས་ཀྱི་མཚན་
 རག་གོ། །དང་པོ་ལ་གསུམ། རྒྱུད་གྱི་དོན་བསྐྱེད་པ་དུ་ཞེས་ཏེ་འདུག། རྒྱུད་གྱི་དོན་ལེགས་པར་སྐྱེས་པའི་ཆད། རྒྱུད་དེ་མེས་པ་ལྟ་ལ་བསྐྱེད་པ་ནས་ཕྱིས་
 རྒྱུད་དུ་འདུག་པར་བྱ་བའོ། །དེ་པ་ལ་གཏིས། རིམ་ལྡན་བསྐྱེད་པ་དང་། དེ་ཆད་དུ་རྒྱུད་གྱི་དོན་ཀུན་འདུས་པར་བསྐྱེད་པའོ། །དང་པོ་ལ་ལྟ། བསྐྱེད་པའི་རིམ་པ།
 མཚམས་ལ་དམིགས་པའི་རིམ་པ། ཀུན་རྫོགས་ཀྱི་མཚན་པ། དོན་མཚན་འདུག་པ་ཀྱི་རིམ་པ། གཏིས་མེད་ལྟར་འདུག་གི་རིམ་པ་ཀོ། དེ་མཚམས་རྣམས་ཏེ་བཟང་པ་
 ལ། གལ་ཏེ་ཁྱེད་འདུས་པའི་རྒྱུད་འཆད་ན་ཞེས་པ་ནས། རིམ་པ་ལྟ་བུ་ཀོ། །ཞེས་པའི་པར་གྱི་གཞུང་འདི་ལྟར། གཏིས་པ་བཟང་པ་ལ། དེ་འདུག་པའི་རིམ་པ་ལྟ་
 པོ་འདི་ནི་ཞེས་པ་ནས། འདུས་པའི་རྣམས་དུ་བསྐྱེད་ཀོ། །ཞེས་པའི་པར་གྱི་གཞུང་འདི་ལྟར། གཏིས་པ་དང་གསུམ་པ་རྣམས་ཏེ་བཟང་པ་ལ། རྒྱུད་བཟང་པའི་རིམ་
 རྒྱུད་ཞེས་པ་ནས། མཚན་གཤམ་པོ་བྱིན་པའོ། །ཞེས་པའི་པར་གྱི་གཞུང་འདི་ལྟར། གཏིས་པ་རྒྱུད་བཟང་ཐབས་ཀྱི་མཚན་ལ་བཟང་པ་ལ་བཞི། བཟང་པར་བྱ་བའི་

692

[illegible]

༡༡། །ཞེས་པ་ནས། དེས་པ་ཆེན་པོ་རྩེ་ལྷོ་། །ཞེས་པ་འོ་པར་གྱི་གཞུང་འདི་ལྟར། གསུམ་པ་ལ་གཉིས། གཞུང་གི་ཆོ་ག་དང་དོན་པོ་ལོ་འཆད་
 ལུ་པ་མཐར་ཐུག་གི་ཀྱན། གཞུང་གཉིས་གིས་དོན་ཆོ་གས་པར་འཆད་ལུ་པ་ལ་པའི་འོ་ཀྱན་པོ། །དང་པོ་ལ་གསུམ། བཤད་པ་འོ་མཆོམས་རྩེ། གསུམ་
 འོ་རྩོམས་མདོར་བསྟན་པ། མཆོམས་འོ་འོ་རྩོམས་ཀྱས་པར་བཤད་པ་འོ། །དང་པོ་གཉིས་རྩོམས་ཀྱི་བཤད་པ་ལ། ཀྱས་བཤད་ཀྱི་ཀྱན་པོ་གསུམ་པ་ཞེས་
 པ་ནས། ལོ་ལོར་བཤད་པ་འོ་རྩོམས་ཀྱི་ཀྱན་པོ། །ཞེས་པ་འོ་པར་གྱི་གཞུང་འདི་ལྟར། གསུམ་པ་ལ་གསུམ། དང་པོ་ཀྱི་མཆོམས་ཀྱི་བསྟན་པ། ལོ་ལོར་བཤད་པ་
 ལོ་ལོ་ཀྱི་མཆོམས་ཀྱི་བསྟན་པ། རྩོམས་པའི་ལོ་ལོ་ཀྱི་མཆོམས་ཀྱི་བསྟན་པ་འོ། །དེ་གསུམ་རྩོམས་ཀྱི་བཤད་པ་ལ། དེ་རྩོམས་ལོ་ལོ་ཀྱི་བསྟན་པ་
 བས་ཞེས་པ་ནས། ལུ་པ་ལ་བཤད་དོ། །ཞེས་པ་འོ་པར་གྱི་གཞུང་འདི་ལྟར། གཉིས་པ་གསུམ། མཆོམས་རྩོམས་པར་དམ་བཅའ་བ །
 ལོ་ལོ་ལོ་ལོ་དང་དེ་ལ། ལོ་ལོ་ལོ་ལོ་བསྟན་པ་འོ། །དང་པོ་གཉིས་རྩོམས་ཀྱི་འཆད་པ་ལ། མཐར་ཐུག་ལྟར་ཀྱི་པོ་དེས་འདི་བསྟན་ནས་ཞེས་པ་

TI433 - 693

684 བཅད་ དཔྱེ་བ་རྣམ་པ་གཉིས་སོ། ། ཞེས་པའི་པར་གྱི་གཞུང་འདི་ལྟར། གསུམ་པ་ལ་བཞི། ཡིག་དོན་བཤད་པ། རྩེ་དོན་བཤད་པ། སྤུམ་དོན་
 བཤད་པ། མཐུར་ཐུག་གི་དོན་བཤད་པའོ། ། དེ་བཞི་རྣམས་ ཏེ་བཤད་པ་ལ། ཡིག་དོན་ཞེས་པའི་ཡི་གེ་ནི། ཞེས་པ་ནས། དོན་རྩུབ་དོན་སྤུམ་
 པའོ། ། ཞེས་པའི་པར་གྱི་གཞུང་འདི་ལྟར། བཞི་པ་ལ་གསུམ། བཤད་ཚུལ་གྱི་ཐུན་གྱི་དཔྱེ་བ། སོ་སོའི་དོན་འདྲི། དོན་བསྐྱུས་པའོ། ། དེ་གསུམ་རྣམས་ ཏེ་
 བཤད་པ་ལ། རྩེ་འཆད་པ་པའི་ཞེས་པ་ནས། མི་འཆད་པ་མེན་པས་སྒྲོན་མེད་དོ། ། ཞེས་པའི་པར་གྱི་གཞུང་འདི་ལྟར། རྩེ་པ་ལ་བཞི། གར་བྱ་གི་དཔྱེ་བ། རྩེ་བ་
 སོ་སོའི་དོན། བཤད་པ་གཉིས་ཀྱི་རྩོད་དུ་གྱུར་ཚུལ། རྩོད་བརྒྱུས་སྤུམ་བཤད་དགོས་པར་བསྐྱར་པའོ། ། དེ་བཞི་རྣམས་ ཏེ་བཤད་པ་ལ། འཆད་པའི་ཚེ་རྣམ་པ་
 གྲུབ་དུ་ཉན་པར་འདོད་ཅེས་པ་ནས། བཤད་པ་རྣམ་པ་གཉིས་པའོ། ། ཞེས་པའི་པར་གྱི་གཞུང་འདི་ལྟར། དུག་པ་བཤད་དོན་དེ་རྩུབ་དོན་པ་བདེན་གཉིས་དེས་པའི་
 རྩེ་བཤད་པ་ལ། རྩུབ་བཤད་པའི་ཐུན་ནི་དུག་པ་དེ་རྣམས་ཀྱི་ཞེས་པ་ནས། མཐུར་གཅོད་དུ་འཆད་པར་གྱུར་པོ། ། ཞེས་པའི་པར་གྱི་གཞུང་འདི་ལྟར། གོང་གི་

[illegible]

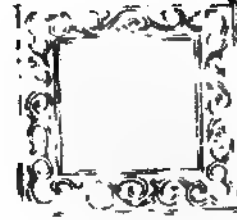
ཞེས་པ་ནས། བཟུམ་པའི་དོན་གཏིས་བཟུན་པ་ཡིན་ནོ། ། ཞེས་པའི་པར་གྱི་གཞུང་འདི་ལྟར། རྩལ་པའི་ས་བཙུན་གཏིས་པ་རྒྱུ་ཀྱི་ཚིག་དོན་བཤད་པ་ལ་གསུམ་
 ལ་ཚུལ་སྟུར་པ། ལེག་དང་པོས་རྒྱུ་དོན་མ་དེ་བཟུན་པ། འཕྲུ་དྲུག་ལ་བཙུན་གྱིས་རྒྱུ་པར་བཤད་པའོ། ། འདྲ་པ་བཤད་པ་ལ། དེ་ལྟར་བཟུམ་
 པའི་དོན་གཏིས་ ཞེས་པ་ནས། བཤད་པ་ལ་འདྲུག་པར་བྱ་རྒྱེ། ཞེས་པའི་པར་གྱི་གཞུང་འདི་ལྟར། གཏིས་པ་ལ་གསུམ་ ལེག་གི་གཞུང་བཤད་པ། ལེག་གི་ལ་ཚུན་
 བཤད་པ། ལེག་དེ་བཤད་ཟིན་པར་བཟུན་པའོ། ། འདྲ་པ་ལ་གཏིས། སྒྲེད་གཞི་དང་དྲེད་པ་འཁོར་གཏིས་ཀྱིས་རིམ་པ་གཏིས་བཤད་པ། ལམ་རིམ་པ་གཏིས་ཀྱང་
 རྒྱུ་དྲུག་པར་བཟུན་ནས་བཤད་དགོས་པར་བཟུན་པའོ། ། འདྲ་པ་ལ་བཞི། སྒྲེད་གཞི་ལྟན་སྟུལ་ཚིག་གསུམ་པས་རྒྱུ་ཀྱི་དགོས་པ་ཀྱན་བཟུན་པ། གཞུང་ལ་དྲེད་
 ཀྱིས་བདེ་བ་ཚུན་པ་ལམ་འདི་གཞུང་དྲུག་པ། བཟུམ་དྲེད་ཀྱིས་རྩལ་དང་བཙུན་པའི་དྲེད་པ་འཁོར་གྱི་ལམ་རིམ་པ་གཏིས་བཟུན་པ། དོན་དེ་ཚུལ་ལ་
 ཚེད་བཟོད་ཀྱིས་ཚུལ་ལོ། ། འདྲ་པ་ལ་གཏིས། རྩལ་པ་དང་དྲུག་དང་གཞུང་ལྟན་སྟུལ་ཚིག་གསུམ་པ་ཚུལ་བཞིར་བཤད་པ། འཁོར་སྟན་སྟུལ་ཚིག་གསུམ་པ་དང་དེས་

[illegible]

698

༡༡། གཤམ་ དེ་བཞིན་གསུངས་པ། ཞེས་པ་ནས། གསུངས་པ་ནི་དེ་བཞིན་དུ་ཡིན་ནོ། ། ཞེས་པ་ནི་བར་གྱི་གཞུང་འདི་ལྟར། གསུངས་པ་ལེ་ཏུ་
 དེ་བཟུང་བཞིན་པར་བརྟན་པ་ལ། རྒྱུན་མ་གསལ་པར་བྱེད་པ་ཞེས་པ་ནས། ལམ་ཐར་དུ་གཏོགས་པ་ལྟར་དེ། ཞེས་པ་ནི་བར་གྱི་གཞུང་འདི་ལྟར། དེ་བཞིན་གྱི་ཞོ་རྒྱུ་
 རྒྱུ་དེ་དག་ཤིག་སྐུ་ལ་མ་གྱི་རྒྱུ་ལ་ཕུར་བུར་གཏུན་པ་ རེ་བཞིན་པ་ལ་ཤི་མ་བཞིན་ཤི་མ་ལ་མ་ཐེ་བཞིན་པར་མཛད་པའོ། །

700



TI433 - 700

[illegible]

[illegible]

[illegible]

७७। ।ཡོངས་སུ་སྤྱོད་པའི་ལོ་གསལ་ཆོ་གས་སྒྲུང་པ་ཤུ་ཅིག་དུ་འབྱེད་པའི་དགོ་ཆོ་གས་ཀྱི་མཆོ་འཕྲུལ་པ་བརྟེན་ནས། ཡུལ་ཤུགས་སྤྱི་དང་སྒོ་ལ་སྤྱི་
 སྤྱོན་པ་མཆོ་ག་གི་གདུང་འཆོ་བ་མཛད་པའི་བྲག་ས་སྤོན་དུས་སུ་སྤྱིན་པའི་མཁས་པ་བརྟེན་གྱིས་པའི་བསྐྱུ་བ་འདྲིན་དམ་པ་གཤམ་ནས་བཞུགས་སྤྱི་ཆོ་དེ་དབང་མི་མཐུན་
 སྤྱི་གི་བསྤྱོད་པ་མཛད་པར་བཤད་དང་སྤྱི་པའི་ཉི་ཟླ་ལྷོ་ལོ་དེ་སྤྱི་ཆོ་མ་དག་ཁྱེད་མཁས་པ་ལྟན་འདྲིན་མཁོ་ལོ་འཁོར་ཡུག་གསལ་ལ་བར་བྱེད་པའི་ཆོ་མ་དགར་མཛད་འཕྲིན་བསྐྱུ་བ་
 འཕྲིན་གསལ་སུ་རྟག་དུ་འབབ་པ་དང་། དེ་ལ་བརྟེན་ནས་ཆོ་མ་དག་པསྤྱི་པ་གསུམ་ལྟན་པའི་དགོ་འདུན་ཆོ་གས་ཀྱིས་གནས་འདི་ཡོངས་སུ་གཤམ་སྤྱི་བཤད་སྤྱི་བ་
 སྤྱི་པ་ལས་ཀྱི་འཁོར་ལོ་གསུམ་ཀྱི་སྤོན་པ་ཀྱིས་བསྐྱུ་བ་སྤྱི་དང་སྤྱི་བྲག་དཔུང་གསུམ་ཆོ་མ་པར་དག་པའི་ལུང་རིགས་གསལ་སྤྱི་ལོ་འཁོར་ལོ་འཕྲིན་པས་མཛད་
 སྤྱི་གསལ་ཡོངས་སུ་རྟོགས་པའི་བྲག་བསྐྱུ་བ་སྤྱི་པ་ལོ་དག་དབང་བསྐྱུ་བ་པའི་རྟོག་ཆོ་ག་གི་རྟུལ་ཕྱན་དེ་ཡང་གཤམ་ཅན་མཁས་ཀྱིས་ཡོངས་ཀྱི་གཞུང་དུ་སྤྱི་
 བར་བཀོད་པས་མཁས་པ་དབང་གྱིས་ཕྱན་སྤྱི་པ་འདུམ་གྱི་སྤོན་པ་པ་ལུམ་ནས་གཅིག་ཅན་ཉིད་དུ་སྤྱི་པ་འདུམ་པས་པའི་རོལ་མོ་ལྷོ་དཔུངས་གཅིང་མོ་

གནས་ནས་ཡང་ཡ་མར་སྒྲིགས་པའི་ཡུལ་དུ་སྐྱུ་པ་ཁམས་གསུམ་ཆོས་ཀྱི་འཁོར་ལོས་བསྐྱུར་བ་འདྲམ་མགོན་སྒྲུ་མ་སྒྲིབ་བཟང་གསལ་པའི་ཆུལ་སྐྱུ་
ཆས་ཀྱིས་ལོགས་པར་གསུངས་པའི་མདོ་སྒྲགས་བསྐྱུ་ན་པའི་ཡུལ་སྒྲིང་འདི་ཀྱིས་སྒྲིའོལ་འདུལ་བའི་སྐུན་སྒྲིའོལ་གཙོ་མ་ནང་དོན་པ་རོལ་ཕྱིན་པའི་ཆུལ་སྐྱུ་
ལོན་གསལ་པ་པ་རོལ་གཞིས་ཟབ་མོའི་གནད་སྐུན་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་གང་ལས་འཕུར་བའི་ཐོས་པས་མ་སྒྲིམ་གསུམ་འཆད་ཅོད་ཅོམ་གསུམ་...
མཁས་བརྒྱན་བཟང་པོའི་བདུད་རྩིའི་དགའ་སྟོན་ཟད་པ་མེད་པ་རི་སྒྲིང་ལྷན་པོའི་བློ་འཕྲུག་གསེར་རིའི་འདམ་མ་དང་བཅས་ཆུ་གཏོར་སྒྲིང་གཡོགས་
མ་དགོལ་བར་དུ་རྒྱས་པར་སྐྱུ་པ་དང་། ཆུལ་དེ་གང་ལ་གནས་པའི་ཁོར་འདྲིན་ལྷོ་མར་ཆོས་སྒྲིའོལ་མཆོལ་པའི་དཔལ་ཀྱིས་དགོ་ལོགས་གོས་དགའ་
ཕྱིན་པའི་ཡུལ་སྐྱུ་སྐུན་ཀྱུར་བསྐྱུ་ན་པ་དགའ་བའི་མཐུ་ལྷན་བསྐྱུར་མ་ལྷ་སྐུན་མས་ཀྱིས་ཆོས་བཞིན་བསྐྱུངས་ཏེ་རྫོགས་ལྷན་གསལ་པའི་དགོ་མཆོན་
འཕུར་བའི་ཐོས་པས་འཕྲེང་བས་ཁྱུ་པར་སྐྱུ་པ་ཡོན་པར་ཐོལ། དེ་ལྟར་ཡོན་པོ་ཞེས་པའི་ཆུལ་དང་པོ་དེ་ཀྱིས་སྒྲིའོལ་པར་བྱེད་པ་ལ།

TI433 - 706

708



TI433 - 708

༣༩། །ཆོས་སྒྲེ་ཆོས་དབྱེས་འོད་གསལ་ལ་སྒྲིང་གི་འཛིན་ཟུག་དུག་སྒྲུབ་ཀྱི་ཕུང་འཕྲུལ་གསལ་སྟོན། །

[illegible]

[illegible]

113
 114
 115
 116
 117
 118
 119
 120
 121
 122
 123
 124
 125
 126
 127
 128
 129
 130
 131
 132
 133
 134
 135
 136
 137
 138
 139
 140
 141
 142
 143
 144
 145
 146
 147
 148
 149
 150
 151
 152
 153
 154
 155
 156
 157
 158
 159
 160
 161
 162
 163
 164
 165
 166
 167
 168
 169
 170
 171
 172
 173
 174
 175
 176
 177
 178
 179
 180
 181
 182
 183
 184
 185
 186
 187
 188
 189
 190
 191
 192
 193
 194
 195
 196
 197
 198
 199
 200

715

[illegible]

TI433 - 715

༡༡༡། །འཇམ་དབྱངས་གསུང་དབང་གསུང་དབྱངས་འཇམ། །དམར་གསལ་འོད་སྒྲོའོད་གསལ་དམར། །མཁའ་རབ་སུན་གྱིར་སུན་རབ་མཁའ། །ཐུལ་སུན་རྣམ་པ་ལྷན་སུན་ཐུལ། །པོ་སྒྲི་མེ་འཇམ་པོ་ལྷན། །པོ།

221

॥ भरे सा सुपसा अर्णव हे सृष्टि दया पारी पागल ये वस पारे ~ कैंसा रे प्रेयस छिये ठरये मे ~ ह्रास्वर य छी आष्वयो र सुभवा ईद परै गले र प्रथम "ठक मदे न्ना दअ लुन ला य जला सो

[illegible]

७७। ^१ ^२ ^३ ^४ ^५ ^६ ^७ ^८ ^९ ^{१०} ^{११} ^{१२} ^{१३} ^{१४} ^{१५} ^{१६} ^{१७} ^{१८} ^{१९} ^{२०} ^{२१} ^{२२} ^{२३} ^{२४} ^{२५} ^{२६} ^{२७} ^{२८} ^{२९} ^{३०} ^{३१} ^{३२} ^{३३} ^{३४} ^{३५} ^{३६} ^{३७} ^{३८} ^{३९} ^{४०} ^{४१} ^{४२} ^{४३} ^{४४} ^{४५} ^{४६} ^{४७} ^{४८} ^{४९} ^{५०} ^{५१} ^{५२} ^{५३} ^{५४} ^{५५} ^{५६} ^{५७} ^{५८} ^{५९} ^{६०} ^{६१} ^{६२} ^{६३} ^{६४} ^{६५} ^{६६} ^{६७} ^{६८} ^{६९} ^{७०} ^{७१} ^{७२} ^{७३} ^{७४} ^{७५} ^{७६} ^{७७} ^{७८} ^{७९} ^{८०} ^{८१} ^{८२} ^{८३} ^{८४} ^{८५} ^{८६} ^{८७} ^{८८} ^{८९} ^{९०} ^{९१} ^{९२} ^{९३} ^{९४} ^{९५} ^{९६} ^{९७} ^{९८} ^{९९} ^{१००}

729

[illegible]

॥ कस्य चित्तं भवति तस्य चित्तं भवति ॥

[illegible]

Халхын улаан эрдэмтэн Заваа хэмээх хүрээ гавж Дамдин багшын талаар зухс дурьдвал:

Халхын түшээт хан аймгийн Дайчин Бээсийн хошуу одоогын Дундговь аймгийн Дэлгэр Цогт сумын Тарцагтын Цагаан хад хэмээх бууцанд алдарт эрдэмтэн Заваа Дамдин гавж 1867 оны бар сарын шинийн гурван буюу цагаан сарын шинийн гурваны Дашням Балжням давхцсан сайн өдөр мэндэлжээ. Эцэг Шагдарын 5 дугаар хүү нь болон мэндэлжээ. Ээж Содномпил нь Сүхбаатар аймгийн Уулбаянаас нүүдэлж ирсэн Орлуудын гаралтай бүсгүй байжээ. Тэндэхийн Дайчин бээсийн хошуудаас лам Лувсанбалдансанжаажав бээр Дамдин жав хэмээн нэр хайрлаж хүйг нь угаасан багш нь болжээ. Ах лам Лувсанжамбаагаараа төвд үсгийн цагаан толгой заалгаж номынхоо гарааг эхэлсэн. Заваа ламтан багаасаа сэргэлэн цовоо нэгэн байсан бөгөөд иймээс аав ээж нь лам болгохоор Дэлгэрцогтын Цахиуртын жасаанд 6 настай байхад нь шавьлуулжээ. Заваа ламтан хоёр ээжтэй байсан. Төрүүлсэн ээж Содномпил мөн өрлөг ээж цагаан сүүгээ хөхүүлэн өсгөжээ. Балдансанжаажав ламтан шавынхаа гоц эрдэмтэйг мэдэрч түүнийг 15 настай байхад нь Богдын хүрээний 3 их Дацангын нэг Гунгаачойлон дацанд шавьлан суулгаж Эрхэмийн аймгийн Минжүүр ламтанд шавь оруулснаар дом тавьж Чойрын 5 ухаанд тэгш боловсрон анги Дамбын гавж буюу тэр дацанг толгойлдог номтой лам нарын тоонд орж эхэлсэн.

Заваа ламын найз нар гэвэл Ховдын Жамц Гунгааренчин, Шүнгийн хэмээн алдаршсан Даш Чоймбал дацангын анги Шагдар нар байв. 1904 оны Луу жил 13 дугаар Далай лам Түвдэнжамц бээр Хүрээнд морилох тэр үеэр Далай ламтай шүнгийн Шагдар гавж ном хаялцахаар очих гэхэд нь найзын хувиар Заваа лам татгалзаж байжээ. Гэвч Шагдар гавьж өөртөө эрдэж Далай ламтай дагсал хаяж дийлджээ. Тэгээд гарч ирээд чиний үгэнд ордог байж хэмээн гэмшиж байсан гэдэг. 1911 онд Богд хаант Монгол Улс байгуулагдаж тэр үеийн Засгийн газарт лам нарын нөлөө их байжээ. 5 яамны 2 яамны сайд лам хүн байсан. Сангийн яамны сайд Шагдаржав, Дотоод хэргийн яамны сайд Да Лам Цэрэнчимэд мөн Сангийн яамны дэд сайд Лувсанбалдан нар байжээ. Иймээс номтой лам нарыг дэмжиж байв. Тэр үеийн сайчуулын нэг болох Заваадамдин ламаар Монгол Улсын түүхийг бич хэмээн 8 дугаар Богд Жавзандамба өөрийн биеээр дуудан уулзаж зарилаг гарсан байдаг.

1921 оны Ардын хувьсгалын үед түр Монголын түүх бичих ажил зогсонг байдалд оржээ. Дараа нь Монголын түүх жаягийн комисс гурван гишүүнтэй байгуулагдахад гишүүд нь Сүхбаатарын багш Жамъянгүн Хэнтийн Батширээтийн Цэвээнжамсран Заваадамдин ламтан нар байв. Тэрээр Оросын Ширватский Рерих нартай багш шавийн холбоотой бөгөөд европын соёлтой хамгийн түрүүнд танилцсан хүн юм. Тиймээс Хорчойнжин алдарт Монголын түүхийн сударыг бүтээхдээ европын түүхтэй нягт холбон бичсэн байдаг. Заваа ламтан Төвдийн Лхасын Утай Гүнбэнд очиж мөргөл хийж явахдаа тэндэхийн Дамсаг ууланд байх Хуйшаны хийдэд очиж сүмийн үүдэнд газар ух хэмээн айлдаж, тэр ухсан газраас нь архилогийн үнэт олдвор болох дөрвөн улсын хэлээр бичсэн пайзыг ил гаргасанд Хуйшаа нар машид их баярлан асар том нээлт хийсэн хэмээн түүхэнд тэмдэглэсэн байдаг. Манай Төр засгийн зүтгэлтэн Хатанбаатар Магсаржав шавь нь байжээ.

Нийт 17 боть ном Төвд хэл дээр туйрвасан бөгөөд Дуу Нянагын талаар дахин давтагдашгүй ном гаргасан байдаг. 1937 онд таалал төгссөн бөгөөд таалал төгсөхийн урьд шавь нараасаа Майдар эргэх болж байна уу хэмээн асууж Гандангийн Майдар эргэх тэр үед очиж Майдарт даган баясахад Майдрын даамал бээр Заваа ламыг хүндэтгэн Майдрын цувааг зогсоож байсан иймэл хүндтэй хүн. 1989 онд Дээрхийн гэгээнтэн 14 дүгээр Далай лам Данзанжамц Монголын бурхан шашинтны төв гандан хийд дээр морилон саатах тэр үед Заваа ламын бичсэн Лавайн эгшиг хэмээх судрыг үзээд машид баярлан Монгол хүн тэгэх тусмаа хувьсгалын үед ийм гайхамшигтай бүтээл туйрвах гэж хэмээн хайлж байсан. Үнэхээр түүхэнд мөнхрөх эрдэмтэн хүн байсан байжээ.

Энэхүү товч намтарыг бичэн Заваа ламын нийт 17 боть номыг нийтийн хүртээл болгож буй Дундговь аймгийн Дэлгэрцогт сумын уугуул Дундговь хөгжил сангийн тэргүүн Түдэв овогтой Цэрэнпүрэв бээр та бүхэнд эрүүл энх урт удаан насалж номын цагаан буян дэлгэрэхийн ерөөл дэвшүүлээ.

Ум сайн амгалан болтугай.

DEDICATION OF MERIT

May the merit and virtue accrued from this work adorn the Buddha's Pure Land,
Repay the four great kindnesses above, and relieve the suffering of those on the three paths below.

May those who see or hear of these efforts generate Bodhi-mind,
Spend their lives devoted to the Buddha Dharma, and finally be reborn together in the Land of Ultimate Bliss.

NAMO AMITABHA! 南無阿彌陀佛 HOMAGE TO AMITABHA!

《藏文：至尊·洛桑大央文集 (ZAVAA LAMA 著作全集) 第三冊》

Printed and donated for free distribution by **The Corporate Body of the Buddha Educational Foundation**

11F., 55 Hang Chow South Road Sec 1, Taipei, Taiwan, R.O.C.

Tel: 886-2-23951198 , Fax: 886-2-23913415, Email: overseas@budaedu.org , <http://www.budaedu.org>

This book is for free distribution, it is not for sale. Printed in Taiwan, 1,000 copies, January 2009

ཕྱག་དཔེ་འདི་ཚོས་སྤྱོད་དུ་འབྲུལ་རྒྱུ་ལས། ཚོང་བསྐྱར་མི་ཚོགས་པ་དགོངས་འཇགས་ལུ།

TI433 - 7571

